सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 255 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 27 अक्टूबर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

केंद्र की बैठक में नहीं शामिल होंगी... 8 | 24 के लिए पसमांदा मुसलमानों... 3 | सिर्फ राहुल गांधी दे सकते हैं... 7

आगे बढ़ने के लिए जीवन में उतार-चढ़ाव बहुत जरूरी है, क्योंकि ईसीजी में भी एक सीधी लाइन का मतलब होता है कि हम जिंदा नहीं हैं।

-रतन टाटा

नोटों पर तस्वीर की सियासत तेज
अब बाबा साहेब- शिवाजी की एंट्री

» केजरीवाल के लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर लगाने के सुझाव पर मचा घमासान

» मनीष तिवारी बोले, महात्मा गांधी और बाबा साहेब की तस्वीर अहिंसा और लोकतंत्र की होगी प्रतीक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कांग्रेस ने बाबा साहेब तो भाजपा ने छत्रपति शिवाजी की फोटो लगाने की उठायी मांग

नई दिल्ली। नोटों पर भगवान गणेश और लक्ष्मी की फोटो छापने की मांग के बाद सियासत तेज हो गयी है। अब इसमें छत्रपति शिवाजी और डॉ. भीमराव आंबेडकर की इंट्री हो गयी है। कांग्रेस ने जहां नयी भारतीय मुद्रा में डॉ. आंबेडकर तो भाजपा ने छत्रपति शिवाजी की तस्वीर प्रकाशित करने की मांग उठायी है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने नोटों पर महात्मा गांधी के साथ लक्ष्मी-गणेश की फोटो लगाने का सुझाव केंद्र सरकार को दिया गया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा भारतीय नोटों पर भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की फोटो लगाने की मांग के बाद अब बाबा साहेब आंबेडकर और छत्रपति शिवाजी की फोटो लगाने की मांग उठी है। भाजपा विधायक नितेश राणे भी नोट पर फोटो लगाने की राजनीति में उतर गए हैं। राणे ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक फोटो साझा किया है। फोटो में एक 200 रुपये का नोट दिखाया गया है जिसमें छत्रपति शिवाजी की फोटो लगी है। नितेश ने एडिट किया हुआ नोट शेयर कर लिखा कि शिवाजी की फोटो नोट पर एकदम परफेक्ट है। वहीं इस मामले में कांग्रेस भी कूद पड़ी है। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने भारतीय मुद्रा पर बाबा साहेब आंबेडकर की फोटो लगाने की मांग की है। तिवारी ने कहा कि नोट की नई सीरीज में महात्मा गांधी के साथ आंबेडकर की फोटो होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन दोनों नेताओं की तस्वीर अहिंसा और लोकतंत्र का यूनिक प्रतीक होगी।

क्या है मामला

यह पूरा विवाद आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की प्रेसवार्ता से शुरू हुआ। केजरीवाल ने मांग की थी कि भारतीय नोटों पर महात्मा गांधी के साथ भगवान लक्ष्मी-गणेश की फोटो होनी चाहिए। अगर उनकी कृपा रही तो भारतीय अर्थव्यवथा मजबूत होगी और डॉलर के मुकाबले रुपये में सुधार होगा। इस दौरान उन्होंने इंडोनेशिया का उदाहरण भी पेश किया।

विपक्ष ने साधा निशाना

केजरीवाल के भगवान के चित्र लगाने की मांग के बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने उन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, केजरीवाल की राजनीति यू-टर्न ले रही है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी और कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने भी उन पर हमला बोला। पात्रा ने कहा कि राम मंदिर का विरोध करने वाले नेता अब देवी-देवताओं की बात कर रहे हैं। यह सब राजनीति के लिए हो रहा है।

भड़काऊ भाषण देने के मामले में आजम खां दोषी करार

» रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनाया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। भड़काऊ भाषण देने के मामले में सपा नेता आजम खां के खिलाफ दर्ज मुकदमे में रामपुर कोर्ट ने फैसला सुना दिया है। रामपुर कोर्ट ने आजम खां को आईपीसी की धारा 153-ए, 505-ए और 125 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत दोषी करार दिया है।

कोर्ट परिसर के गेट, कलेक्ट्रेट के गेट के साथ-साथ बाहर सड़क पर भी पुलिस तैनात है। आजम खां के खिलाफ 2019 के लोक सभा चुनाव के दौरान मिलक कोतवाली इलाके के खातानगरिया गांव में जनसभा को संबोधित किया था। आरोप है कि उन्होंने भड़काऊ भाषण दिया था जिससे दो वर्गों में नफरत फैल सकती थी। जिसका वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो अवलोकन टीम के प्रभारी अनिल कुमार चौहान की ओर से मामले की रिपोर्ट मिलक कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए (मजिस्ट्रेट ट्रायल) निशांत मान की कोर्ट चल रही है। बहस 21 अक्टूबर को पूरी हो गई थी। कोर्ट ने आज आजम खां को दोषी करार दिया। खबर लिखे जाने तक सजा पर फैसला नहीं हुआ था।

पैसों की कमी नहीं, बने प्रदेश की उन्नति के वाहक : योगी

» हर जिले में हो रहा है मेडिकल कॉलेजों का निर्माण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज केजीएमयू में एशिया की पहली पैथोजेन रिडक्शन मशीन का लोकार्पण किया। इससे अब फेफड़े के कैंसर सहित छाती से जुड़ी बीमारियों की सर्जरी आसानी से हो सकेगी। मरीजों को इंतजार नहीं करना होगा। सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में केजीएमयू का बड़ा योगदान रहा है। केजीएमयू परिवार को इस बात के लिए भरोसा देता हूं सरकार के पास पैसे की कमी नही है बल्कि आपको उस दिशा में कार्य करना होगा। केजीएमयू को सुपर स्पेशलिटी की ओर बढ़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने केजीएमयू में पैथोजेन रिडक्शन मशीन का किया लोकार्पण

उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज में नए परिवर्तन होते हम देख रहे हैं। उन्नति और अवनति क्या होती है। बीज जब बढ़ता है तो उन्नति होती है,बीज पड़े-पड़े सड़ जाए तो अवनति होती है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में हम उन्नति के वाहक बने। यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए। ये मशीन भारत ही नही बल्कि एशिया की पहली मशीन है जो लंग्स के लिए काफी मददगार होगी। छोटे-छोटे मरीजों को लखनऊ रेफर किया जाता है। आज हर जिले में मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है।

भाजपा मदरसा विरोधी नहीं, बिना मान्यता वाले स्कूलों पर कसी जा रही नकेल : केशव मौर्य

» डिप्टी सीएम बोले, भाजपा को टारगेट कर दुष्प्रचार में जुटी हैं विपक्षी पार्टियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट रूप से कहा कि अवैध मदरसे ही नहीं, बिना मान्यता वाले स्कूलों पर भी लगाम लगाई जा रही है। परिजनों संग सिराथू में दिवाली मनाने के बाद प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम ने अवैध मदरसों को लेकर किए जा रहे सर्वे को सही बताया। कहा, भाजपा सरकार में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। अवैध मदरसे ही नहीं, बिना मान्यता वाले स्कूलों पर भी लगाम लगाई जा रही है।

सर्किट हाउस में उन्होंने कहा किअवैध मदरसों के सर्वे का काम पूरा हो चुका है, जो मदरसे मानक के अनुरूप नहीं है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। केशव ने कहा कि सरकार चाहती है कि मदरसे के विद्यार्थी भी एडवांस पाठ्यक्रम पढ़ें। वहां भी विज्ञान, अंग्रेजी एवं गणित जैसे विषय पढ़ाए जाएं। बसपा में इमरान मसूद के शामिल होने के सवाल पर केशव बोले, इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। देश और प्रदेश की जनता ने अगले 25 सालों तक भाजपा को ही सेवा का मौका देने का फैसला कर

रखा है। उधर डिप्टी सीएम ने दिल्ली सीएम केजरीवाल के भारतीय करेंसी में भगवान गणेश, लक्ष्मी की तस्वीरें प्रकाशित करने की मांग पर कहा, इस तरह की बयानबाजी कर वह किस तरह का दाग धुलने की कोशिश कर रहे हैं। केजरीवाल दिल्ली और पंजाब की दुर्दशा को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा सांसद दिनेश यादव उर्फ निरहुआ के बयान पर डिप्टी सीएम ने कहा, यदुवंशी बहुत तेजी से भाजपा के साथ जुड़ रहे हैं। राजनीति के जरिए यदुवंशी समाज के जो लोग समाज सेवा करना चाहते हैं, उनके लिए भाजपा के दरवाजे खुले हुए हैं। यूपी में डबल इंजन की सरकार हर वर्ग के लोगों के लिए काम कर रही है। निकाय चुनाव में जीत के बाद ट्रिपल इंजन की सरकार प्रदेश में हो जाएगी।

मायावती को बच्चों के भविष्य की चिंता नहीं : बृजेश पाठक

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे मदरसे बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में उन पर शिकंजा कसने और बच्चों का भविष्य बचाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। पाठक ने कहा कि मायावती को बच्चों के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। रजिस्ट्रेशन बहुत जरूरी प्रक्रिया है और ऐसा न होने से बच्चों का भविष्य अधर में लटक सकता है। ऐसे में बच्चों के भविष्य से जुड़े किसी भी मामले में राजनीतिक बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिए जा रहे तरह-तरह के बयान पर उन्होंने कहा कि केजरीवाल मीडिया प्रेमी व्यक्ति हैं, उनकी आदत है कि वह तरह-तरह के बयान देकर खबरों में बनें रहें। अब जनता उनकी असलियत जान चुकी है।

मायावती बोलीं, गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे गरीब बच्चों को दे रहे तालीम

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने एक बार फिर यूपी में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे को लेकर योगी सरकार पर हमला बोला है। बसपा प्रमुख ने कहा कि गरीब बच्चों को तालीम देने में लगे गैर सरकारी मदरसों में सरकार क्यों दखल दे रही है। बसपा प्रमुख ने ट्वीट कर कहा कि यूपी सरकार द्वारा विशेष टीम गठित करके लोगों के चन्दों पर आश्रित प्राइवेट मदरसों के बहुचर्चित सर्वे का काम पूरा, जिसके अनुसार 7,500 से अधिक गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे गरीब बच्चों को तालीम देने में लगे हैं। ये गैर सरकारी मदरसे सरकार पर बोझ नहीं बनना चाहते तो फिर इनमें दखल क्यों? क्या यूपी सरकार इन प्राइवेट मदरसों को अनुदान सूची में शामिल करके उन्हें सरकारी मदरसा बनाएगी? बीएसपी सरकार ने 100 मदरसों को यूपी बोर्ड में शामिल किया था।

डिप्टी सीएम ने सुनी लोगों की समस्याएं

कांग्रेसी नेता पी चिदंबरम और शशि थरूर के अल्पसंख्यक पीएम वाले बयान पर डिप्टी सीएम ने कहा, विपक्षी नेता 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। इस तरह की बयानबाजी न सिर्फ गैर जिम्मेदाराना बल्कि अपरिपक्व है। विपक्षी पार्टियां सिर्फ भाजपा को टारगेट कर दुष्प्रचार में जुटी हैं। वोट बैंक की लालच में यह बताते की कोशिश की जा रही है कि भाजपा किसी मुस्लिम को पीएम नहीं बनाएगी, लेकिन विपक्ष यह न भूले कि डॉ. एपीजे अबुल कलाम का नाम राष्ट्रपति के लिए भाजपा ने ही आगे बढ़ाया था। उप मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में लोगों की समस्याएं भी सुनीं। साथ ही विभागीय अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के लिए निर्देशित भी किया।

हमारे यहां भी अल्पसंख्यक बने पीएम : शफीकुर्रहमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ब्रिटेन में भारतीय मूल के नागरिक ऋषि सुनक के प्रधानमंत्री बनने पर सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा कि भारत में भी अल्पसंख्यक समाज के व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनना चाहिए। हमारे देश में भी लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि जैसे ब्रिटेन में हुआ है, वैसे ही अल्पसंख्यक और शिक्षित व्यक्ति जो देश चलाने की काबिलियत रखता हो, उसे प्रधानमंत्री बनना चाहिए।

शफीकुर्रहमान ने कांग्रेस के नेताओं के बयान का भी समर्थन किया। सपा नेता से पहले कांग्रेस नेता शशि थरूर जबकि पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने भी

अल्पसंख्यक समाज से भारत का पीएम चुने जाने की बात कही थी। शशि थरूर ने ऋषि सुनक के पीएम चुने जाने के बाद ट्वीट किया था कि अगर ऐसा होता है, तो मुझे लगता है कि हम सभी को यह स्वीकार करना होगा कि ब्रिटेन के लोगों ने दुनिया में बहुत ही दुर्लभ काम किया है, अपने सबसे शक्तिशाली कार्यालय में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य को मौका दिया है। जैसा कि हम भारतीय, ऋषि सुनक के लिए जश्न मना रहे हैं, आइए ईमानदारी से पूछें; क्या यहां ऐसा हो सकता है?

लोकायुक्त की नियुक्ति को लेकर हमारी सरकार गंभीरः भट्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में लोकायुक्त की नियुक्ति न होने को लेकर तमाम तरह के सवाल उठते आए हैं, लेकिन बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट द्वारा दिए बयान के बाद फिर से चर्चाएं जोर पकड़ने लग गई हैं कि क्या वास्तव में बीजेपी सरकार लोकायुक्त को लेकर गंभीर है। उत्तराखंड में 2017 के बाद किसी भी मुख्यमंत्री ने लोकायुक्त की नियुक्ति को लेकर कदम आगे नहीं बढ़ाए। यही वजह है कि लोकायुक्त की नियुक्ति को लेकर जो वादा बीजेपी ने 2017 के विधानसभा चुनाव में अपने घोषणा पत्र में किया था, वह आज तक पूरा नहीं हो पाया है, लेकिन अब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने एक बयान दिया है कि लोकायुक्त की आवश्यकता महसूस की जा रही है और अभी लोकायुक्त को लेकर जो निर्णय लेना है वह विधानसभा स्तर पर लेना है। प्रदेश अध्यक्ष के इस बयान के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया कि क्या वास्तव में सरकार भी लोकायुक्त की नियुक्ति को लेकर गंभीर है लेकिन कांग्रेस सरकार की मंशा पर सवाल खड़े कर रही है।

आजमगढ़ में सपा के किसी भी विधायक ने नहीं किया काम : निरहुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ से बीजेपी सांसद दिनेश लाल यादव (निरहुआ) चंदौली दौरे पर थे। इस दौरान बीजेपी सांसद समाजवादी पार्टी व अखिलेश यादव पर खासा हमलावर नजर आए। उन्होंने सपा के विधायकों को निकम्मा तक कह दिया। निरहुआ ने कहा कि सपा के दस-दस विधायक हैं, लेकिन सभी निकम्मे हैं, किसी ने कुछ नहीं किया।

वहीं, आजमगढ़ में खराब सड़कों को लेकर उन्होंने कहा कि आजमगढ़ में सपा के दस विधायक हैं, लेकिन सभी निकम्मे हैं। बीजेपी को आए अभी केवल चार महीने ही हुए हैं। हालांकि, सभी सड़कों को पास करा लिया गया है, जल्द ही सड़क सुधार का काम शुरू हो जाएगा। दिनेश लाल यादव ने एक जनसभा में कहा कि समाजवादी पार्टी केवल जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति करना चाहती है। जनता का हित नहीं, बल्कि अपना हित सोचने का काम करती है। वहीं चंदौली में दिनेश लाल निरहुआ ने मंच से ललकारते हुए कहा कि 'असली यादव देश के बचल कुछ अखिलेश के। उनका कहना था कि देश में जो असली यादव बचे हैं, वही देश के काम आने वाले हैं, बाकी सब अखिलेश के काम आएंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

देसी विदेशी पर्यटकों के लिए 15 नवंबर से खुल जाएगा कतर्नियाघाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपनी विविधतापूर्ण प्राकृतिक छटा के लिए मशहूर कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार इस बार पारंपरिक रूप से 15 नवंबर को पर्यटन के लिए खोल दिया जाएगा। कतर्नियाघाट रेंज के दो रास्तों पर ही पर्यटक सैर करते हैं, जो कुल 18 किलोमीटर लंबा है। इस बार विलंब से बाढ़ व बारिश की दस्तक के कारण एक नवंबर से पर्यटकों के लिए कतर्नियाघाट के द्वार खोलने में बाधा आ खड़ी हुई। फिलहाल टाइगर कंजरवेशन प्लान के तहत अनुमोदित दोनों मार्गों पर गड्ढों की पटाई एवं झाड़ियों की सफाई का कार्य तेजी से चल रहा है।

इस कार्य को दस नवंबर तक पूरा कर लिए जाने का लक्ष्य रखा गया है। अपनी प्राकृतिक छटा के साथ बाघ, तेंदुआ, हाथी, गैंडा, भेड़िया, हिरन की

सभी पांचों प्रजातियों के साथ देशी-विदेशी पक्षियों की प्रचुरता प्राकृतिक छटा में चार चांद लगा देती है। प्रभागीय वनाधिकारी आकाशदीप बधावन ने जंगलों के कच्चे रास्तों का निरीक्षण कर दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर संजय पाठक को स्थिति से अवगत कराया है। इस बार कतर्नियाघाट का पर्यटन नया अहसास कराएगा। नौकाघाट पर थ्री डी तकनीकी से बना व्याख्या केंद्र पर्यटकों को जंगल से जुड़ी जानकारियां रोचक अंदाज में उपलब्ध कराएगा।

24 के लिए पसमांदा मुसलमानों को अपने पाले में लाने में जुटी भाजपा

» निकाय चुनावों से पहले भाजपा मुस्लिम भाइयों से करेगी संवाद

» नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्र में पसमांदा मुसलमानों के लिए सम्मेलन कराने की बना रही योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोक सभा सीटों पर जीत हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी आगामी नगरीय निकाय चुनावों से पहले मुसलमानों के सबसे बड़े तबके यानी पसमांदा (पिछड़े) समाज को अपने पाले में लाने की कोशिशों में जुटी है। प्रदेश के हर नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्र में पसमांदा मुसलमानों के सम्मेलन कराने की योजना बना रही है। भाजपा का दावा है कि वह इस पिछड़े वर्ग का सामाजिक और आर्थिक उत्थान करने के बाद अब उनका राजनीतिक उत्थान भी करना चाहती है। इसी क्रम में भाजपा निकाय चुनाव से पहले मुस्लिम भाइयों से संवाद करेगी। ताकि इस वर्ग में भी अपनी पैठ बना सके। हालांकि विपक्षी दलों ने भाजपा के इन प्रयासों को छलावा करार दिया है।

भाजपा इन दिनों प्रदेश में पसमांदा मुसलमानों के सम्मेलन आयोजित करके उनके लिए अपनी सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का जिक्र करने के साथ इन मुसलमानों का 'वोट बैंक' की तरह इस्तेमाल करने और उसे उसका वाजिब हक नहीं देने का आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कांग्रेस को घेर रही है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के एकमात्र मुस्लिम मंत्री अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश अंसारी खुद भी पसमांदा समाज से आते हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों का राजनीतिक सशक्तीकरण होना भी बहुत जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकार ने मुसलमानों का अभी तक आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण किया है। भाजपा अब मुसलमानों को भागीदारी देकर उनका राजनीतिक सशक्तीकरण करना चाहती है। गौरतलब है कि सीएसडीएस-लोकनीति के एक सर्वे के मुताबिक इस साल के शुरू में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में करीब आठ प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं ने भाजपा को वोट दिया था, जो 2017 के आंकड़े के मुकाबले एक फीसदी ज्यादा रहा। वोट प्रतिशत देख भाजपा समझ गई कि अगर पसमांदा मुसलमानों को एकजुट कर लिया गया तो 24 के लिए आसान हो जाएगा। इसी वजह से भाजपा ने पसमांदा मुसलमानों पर फोकस कर दिया है।

85 प्रतिशत है पसमांदा बिरादरियों की आबादी

इस बार मुसलमानों को लेकर भाजपा के रवैये में हुए इस बदलाव का कारण पूछे जाने पर दानिश अली ने बताया कि सरकार की योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ भी मुसलमानों को ही मिला है। मुसलमानों का सबसे बड़ा वर्ग माने जाने वाला पसमांदा समाज दरअसल लाभार्थी वर्ग है और इसकी सबसे ज्यादा तादाद नगर पालिका और नगर पंचायतों में है। उसे अगर लगेगा कि भाजपा ने हमारा भला किया है तो पार्टी को कहीं न कहीं इसका लाभ चुनाव में मिलेगा। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में मुसलमानों की कुल आबादी का 85 प्रतिशत हिस्सा पसमांदा बिरादरियों का है। इसमें अंसारी, कुरैशी, मंसूरी, सलमानी और सिद्दीकी समेत 41 जातियां शामिल हैं। यह वर्ग सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक लिहाज से सबसे पिछड़ा है। उत्तर प्रदेश के 72 विधान सभा और लगभग 14 लोक सभा क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाता अपना प्रभाव रखते हैं। पसमांदा मुसलमानों को अगर किसी पार्टी का समर्थन मिलता है तो यह नतीजों पर फर्क डाल सकता है।

'सरकार इस मंत्र पर कर रही काम'

मंत्री दानिश अंसारी ने कहा कि भाजपा सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आम मुसलमान यह मानता है कि उसे सरकारी योजनाओं का बिना भेदभाव के लाभ मिल रहा है और जो पार्टी उसे लाभ दे रही है, उसके साथ खड़े होना उसकी नैतिक जिम्मेदारी है। भाजपा सरकार पहली बार मुसलमानों को केंद्र में रखकर सक्रियता दिखा रही है। पार्टी निकट भविष्य में होने जा रहे प्रदेश के नगरीय निकायों के चुनाव में मुसलमानों को टिकट देने की तैयारी कर रही है। उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने कहा कि जहां हम कभी चुनाव नहीं जीते हैं और जहां भाजपा कभी चुनाव नहीं लड़ी है वहां इस बार जिताऊ मुसलमान कार्यकर्ताओं को पार्टी का टिकट दिया जाएगा और उन्हें जितना सहयोग हो सकेगा वह किया जाएगा। भाजपा से जुड़े मुस्लिम भाइयों ने कहा कि इससे पहले गिने-चुने मुस्लिम उम्मीदवारों को ही भाजपा से टिकट मिलता था। इस बार ज्यादा संख्या में टिकट दिए जाएंगे।

हर योजनाओं का दिलाएंगे लाभ

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष ने कहा कि लखनऊ में पिछले दिनों पसमांदा मुसलमानों के सम्मेलन आयोजित कराए गए, जिनमें दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे ही और कार्यक्रम नगर निगमों, नगर पालिका और नगर पंचायत स्तर पर भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमने योजना बनाई है कि पसमांदा मुसलमानों की अलग-अलग बिरादरियों के लोग अपने-अपने समाज के बीच जाकर सम्मेलन करेंगे और उनमें भाजपा के नेता भी हिस्सा लेंगे और वे पार्टी की विचारधारा और सरकार की योजनाओं को उन तक पहुंचाएंगे। भाजपा सरकार ने पसमांदा मुसलमानों के लिए काफी प्रयास किये हैं। सरकार ने साढ़े चार करोड़ मुसलमानों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया है, अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है, उर्दू अकादमी का अध्यक्ष बनाया गया है और सरकार के विभिन्न आयोगों और मोर्चा में पसमांदा मुसलमानों को 80 फीसदी हिस्सेदारी दी है।

भाजपा को क्यों अच्छे लगने लगे मुसलमान!

संभल से सपा सांसद शफीक उर रहमान बर्क ने सवाल किया कि भाजपा को मुसलमान अचानक क्यों अच्छे लगने लगे हैं। उन्होंने कहा कि सारा मामला 2024 के लोक सभा चुनाव का है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा चाहे जितनी कोशिश कर ले, कोई भी सच्चा मुसलमान उसे वोट नहीं देगा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने पसमांदा मुसलमानों को अपने साथ जोड़ने की भाजपा की कोशिशों पर तंज करते हुए कहा कि हिजाब और मुसलमानों से जुड़ी अन्य परंपराओं पर भाजपा सरकारों के रुख के बाद उन्हें वोट नहीं मिलने वाला है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि भाजपा दावा कर रही है कि उसने पसमांदा मुसलमानों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया है लेकिन जमीनी हकीकत अलग है। वहीं कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने पसमांदा तबके से आने वाले कुरैशी समाज की रोजी-रोटी छीन ली। हालांकि ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के प्रदेश अध्यक्ष वसीम राइन ने सपा, बसपा और कांग्रेस पर पसमांदा मुसलमानों के साथ हमेशा धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह वर्ग हर तरफ से परेशान है।

यूपी की सियासी जमीन पर वापसी की तैयारी में बसपा, बनायी नयी रणनीति

» कांशीराम के फार्मूले को फिर से आजमाएगी पार्टी निकाय चुनाव में होगा परीक्षण

» कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को बसपा प्रमुख मायावती ने किया सक्रिय

» दलित-मुस्लिम गठजोड़ पर फोकस, जातीय समीकरण साधने की भी योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सियासी वनवास काट रही बसपा एक बार फिर वापसी की तैयारी में जुट गयी है। इस बार वह अपने मूल एजेंडे पर वापस लौटती दिखती रही है। राजनीति में पैठ बनाने के लिए बसपा संस्थापक कांशीराम द्वारा अपनाए गए फार्मूले को ही लोक सभा चुनाव में हथियार बनाने की तैयारी की जा रही है। इसका परीक्षण पहले निकाय चुनाव में किया जाएगा, इसमें जो भी कमी रहेगी उसे आगे सुधारा जाएगा।

बसपा प्रमुख मायावती दलित-मुस्लिम गठजोड़ का दांव एक बार फिर चलने की तैयारी में हैं। इसके लिए वे रणनीति बनाकर उसे जमीन पर उतारने में जुटी हैं। हाल में पश्चिमी यूपी के मुस्लिम चेहरा माने जाने वाले इमरान मसूद को पार्टी में शामिल किया है। इमरान को पार्टी में ज्वाइन कराने के साथ ही उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश का संयोजक बनाया गया। इसके बाद पदाधिकारियों की बैठक में उन्हें पश्चिमी यूपी के चारों मंडलों सहारनपुर, अलीगढ़, मेरठ और आगरा की जिम्मेदारी देने के साथ ही उत्तराखंड के संयेजक बनाया गया। पश्चिमी यूपी में मुस्लिम वोट बैंक काफी संख्या में हैं। बसपा को उम्मीद है कि इसके जरिए वे मुस्लिमों में बेहतर पैठ बना सकेगी। इसके अलावा मायावती की नजर अपने कोर वोटर दलितों पर भी है। वे पिछले कुछ चुनाव के दौरान बिखरे दलित वोटों को समेटने की कोशिश कर रही है। पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि यदि दलित वोटर एक बार फिर बसपा के साथ जुड़ जाएंगे तो मुस्लिम-दलित गठजोड़ चुनाव में बेहतर रिजल्ट देगा। वह इन्हीं दोनों वोट बैंक का साथ पाना चाहती हैं। पार्टी निकाय चुनाव में इसे अपनाने की तैयारी कर रही है और इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सक्रिय किया जा चुका है।

अति पिछड़ों पर भी नजर

कांशीराम हमेशा एससी, एसटी, पिछड़े और अति पिछड़ों की बात करते थे। वह जानते थे कि यह वोट बैंक जिधर मुड़ा उसके हाथ सत्ता आई इसीलिए मायावती इसी पुराने फार्मूले को एक बार फिर से धार देने में जुट गई हैं। पार्टी में अति पिछड़ों का कद बढ़ाया जा रहा है। राजभर बिरादरी का साथ पाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को आगे किया जा रहा है। उन्हें पूर्वांचल में लगाते हुए अति पिछड़ों को गोलबंद करने का काम किया जा रहा है। बताया जा रहा कि और भी पिछड़े नेताओं को पार्टी में आगे बढ़ाया जाएगा।

विधान सभा चुनाव में महज एक सीट जीत सकी बसपा

वर्ष 2007 के चुनाव में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली बसपा ने उस समय सर्वसमाज का नारा दिया था। इसके आधार पर सभी जातियों को पार्टी में जोड़ा गया, खासकर ब्राह्मणों को सर्वाधिक महत्व दिया गया। वर्ष 2022 के विधान सभा चुनाव में भी इसी सर्व समाज के सहारे जीत का ताना-बाना बुना गया। जिलों में जोरशोर से ब्राह्मण सम्मेलनों का आयोजन हुआ। परिणाम आया तो मात्र उसे एक सीट पर जीत मिली। बसपा को इसका मलाल है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ते प्रदूषण पर लगाम कब?

सवाल यह है कि प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान निकालने में सरकारें नाकाम क्यों हैं? सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद हालात सुधर क्यों नहीं रहे हैं? प्रदूषण के कारकों को नियंत्रित करने वाली गाइडलाइन का पालन क्यों नहीं हो रहा है? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है? आदेश के बावजूद खटारा वाहन सड़कों पर क्यों दौड़ रहे हैं?

केंद्र और राज्य सरकारों के दावों के बावजूद देश के तमाम शहरों की हवा बेहद खराब हो चुकी है। सर्दियों के आगमन के साथ प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। कई शहरों में लोगों का सांस लेना दूभर हो गया है। इसके कारण आम आदमी की सेहत पर खराब असर पड़ रहा है। सवाल यह है कि प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान निकालने में सरकारें नाकाम क्यों हैं? सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद हालात सुधर क्यों नहीं रहे हैं? प्रदूषण के कारकों को नियंत्रित करने वाली गाइडलाइन का पालन क्यों नहीं हो रहा है? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है? आदेश के बावजूद खटारा वाहन सड़कों पर क्यों दौड़ रहे हैं? बढ़ता प्रदूषण सियासी दलों के एजेंडे में शामिल क्यों नहीं है? क्या लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने की छूट किसी को दी जा सकती है?

उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्तर पर पहुंच गई है। प्रदेश के लखनऊ, मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद समेत कई शहरों का एक्यूआई दो खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है और यह बढ़ता जा रहा है। यही हाल दिल्ली और गुरुग्राम का है। यह स्थिति तब है जब सुप्रीम कोर्ट प्रदूषण के स्तर को लेकर न केवल सरकारों को फटकार लगा चुका है बल्कि इसके लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। दरअसल, प्रदूषण के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। इसमें पलारी जलाना, खराब सड़कें, खुले में पड़ी निर्माण सामग्री, ईंट-भट्ठे, कारखाने और फर्राटा भरते खटारा वाहन शामिल हैं। अगली फसल बोने के लिए किसान खेतों में ही पलारी जला रहे हैं। इसका धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा है। वहीं खराब सड़कों पर दौड़ते वाहन धूल कणों को वातावरण में फैला रहे हैं। ये धूलकण सांस के जरिए लोगों के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और वे बीमार हो जाते हैं। ईंट-भट्ठों, कल कारखानों और खटारा वाहनों से निकलने वाला धुआं भी हवा की गुणवत्ता को खराब कर रहा है। दीपावली पर छोड़े गए पटाखों ने भी प्रदूषण का स्तर बढ़ा दिया है। यह दीगर है कि राज्य सरकारें हर साल प्रदूषण को कम करने के लिए कड़े कदम उठाने का दावा करती हैं लेकिन ये हकीकत में उतरते नहीं दिखते हैं। दलों के एजेंडे में भी प्रदूषण का मुद्दा नहीं दिखाई देता है। लापरवाही का आलम यह है कि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जारी की गयी गाइडलाइन का पालन नहीं कराया जा रहा है। जाहिर है यदि सरकार लोगों को प्रदूषण मुक्त वातावरण उपलब्ध कराना चाहती है तो उसे न केवल गाइडलाइन का कठोरता से पालन कराना सुनिश्चित करना होगा बल्कि इसके कारणों का व्यवहारिक समाधान भी खोजना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कॉर्पोरेट्स लालच पर अंकुश से दूर होगी गरीबी

देविंदर शर्मा

इस साल जनवरी में ऑक्सफैम के भारतीय संस्करण में 'असमानता का वायरस' नामक लेख छपा था, जिसमें अमीर-गरीब के बीच मौजूद आर्थिक असमानता की तफ्सील थी। इसमें बताया गया कि कोविड महामारी के दौरान भारत के चोटी के 11 खरबपतियों के धन में जितना इजाफा हुआ है वह 10 सालों तक मनरेगा कार्यक्रम चलाने के लिए काफी है। यह तुलनात्मक और एकदम विपरीत तथ्यात्मक आंकड़ा दोनों वर्गों के बीच के बहुत गहरे अंतर को बताता है। मनरेगा का सालाना बजट 73000 करोड़ है, इस आलोक में यह रिपोर्ट चिंतित करने वाले असमानता को उजागर करती है।

जहां अमीर सदा से और ज्यादा अमीर होते जाते हैं, वहीं गरीब की आमदनी ठहरी हुई है। उदाहरणार्थ, अमेरिका में 745 खरबपतियों के हाथ में समूचे देश के परिवारों की आधी कमाई जितना हिस्सा है। भारत में, जैसा कि विश्व असमानता रिपोर्ट बताती है कि जिस स्तर की धन-असमानता व्याप्त है, वह अभूतपूर्व है। हाल में जब भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा, एक अर्थशास्त्री रथिन रॉय ने कहा, 'बतौर एक देश बांग्लादेश भारत से काफी गरीब है लेकिन नागरिकों के बीच तुलना में बांग्लादेशी भारतीयों से अधिक अमीर हैं।' उनकी यह टिप्पणी 2020-21 में बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय 1962 डॉलर होने पर आधारित थी जो भारतीय नागरिक से 27 डॉलर अधिक है। यह ऐसे समय पर हुआ जब गौतम अडाणी विश्व में दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। मनरेगा एक ग्रामीण परिवार को सालभर में कम से कम 100 दिन की कमाई सुनिश्चित बनाने की गारंटी है। कुछ हफ्ते पहले पत्रकार स्वामीनाथन एस. अंकलेसरिया अय्यर ने गुजरात में वेदांता-फॉक्सकॉन संयुक्त उपक्रम के आगामी सिलिकॉन चिप निर्माण उद्योग को हजारों करोड़ की सब्सिडी मिलने का जिक्र किया था, यह भारी-भरकम सब्सिडी कर चुकाने वाली जनता की कीमत पर है। रोचक यह कि 76000 करोड़ की सब्सिडी केवल एक ही उद्योग को देना मनरेगा के लिए रखे धन से भी ज्यादा है। चूंकि ऐसी उत्पादन इकाई से बड़ी गिनती में रोजगार सृजन की गुंजाइश कम ही है, लिहाजा इस धन का कहीं बेहतर सदुपयोग हो सकता था। इसका उपयोग मनरेगा के अंतर्गत काम के दिनों की संख्या दोगुनी करने या मनरेगा श्रमिक की आय दोगुनी

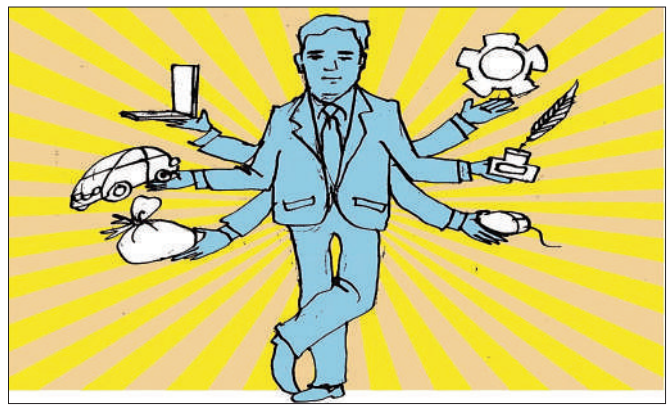

करने में हो सकता था। वहीं 150 देशों का आर्थिक डाटा बताता है कि देश के चोटी के 20 धनकुबेरों को आर्थिक लाभ देने से आर्थिक प्रगति वास्तव में घटती है। यह बात अच्छी तरह जान लेने के बाद कि 'ट्रिकल डाउन' (धन का प्रवाह चोटी से नीचे को ओर) असफल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी 'ट्रिकल डाउन' की विफलता को सार्वजनिक तौर पर कुबूल किया है। उन्होंने निचले या मध्य वर्ग को ऊपर ले जाने का वादा किया है। भारत को यह तथ्य स्वीकार करने की जरूरत है कि जरूरतमंदों को गरीबी, भूख और कुपोषण की चंगुल से बचाने के लिए नीतियों का रुख मोड़ना चाहिए। चुपके से सही लेकिन आर्थिक सुधार की बयार खामोशी से बहती है। कुछ दिन पहले, जिन नीतियों को अर्थव्यवस्था को गति देने वाले प्रयास की तरह पेश किया जाता रहा है। जो बाइडेन द्वारा सार्वजनिक रूप से ट्रिकल डाउन सिद्धांत को छोड़ने के बाद यूके के अत्यंत धनाढ्यों को कर-रियायतें की घोषणा को निरस्त करना पड़ा था। एक अन्य कदम में, अमेरिकी फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन (एफसीसी) ने एलन मस्क के स्पेस-एक्स उद्यम द्वारा मांगे गए 886 मिलियन डॉलर के सब्सिडी पैकेज को रद्द कर दिया है। एलन मस्क विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति हैं, ब्लूमबर्ग के मुताबिक उनकी कुल संपत्ति का मूल्य लगभग 250 बिलियन डॉलर है। इससे पहले मस्क भी सब्सिडी देने की आलोचना सार्वजनिक रूप से करते आए हैं लेकिन जब मामला खुद का हो, तब सही ठहरा रहे हैं। कारण कुछ भी हों, उम्मीद की जानी चाहिए कि एफसीसी अपने निर्णय पर अडिग रहेगा। आखिरकार, जो व्यक्ति हर घंटे 81.25 मिलियन डॉलर की कमाई करता हो, उसको संघीय सब्सिडी का हक स्वेच्छा से छोड़ देना चाहिए। लेकिन कॉर्पोरेट्स का लालच असीमित है। जाहिर है आर्थिक असमानता विश्व को निगल रही है। जिस आर्थिक नीति का अनुसरण दुनिया कर रही है उसने निचले तबकों से चूसकर ऊपर वालों का पोषण किया जा रहा है। उद्योगों की बजाय मनरेगा श्रमिकों को मदद की ज्यादा जरूरत है। आम लोगों का स्तर उठाने की यही राह है और प्रधानमंत्री के 'सबका साथ... सबका विकास' नारे को फलीभूत करने का भी।

आईटी पेशेवर और मूनलाइटिंग

प्रभात सिन्हा

सूचना तकनीक (आईटी) क्षेत्र में मूनलाइटिंग पर बहस जारी है। मूनलाइटिंग के मसले पर बड़े उद्योगपति पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, हाल में इंफोसिस, विप्रो सहित कई बड़ी भारतीय आईटी कंपनियों ने मूनलाइटिंग के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए मूनलाइटिंग में शामिल सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। आईबीएम और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अधिकतर वैश्विक कंपनियों ने भी मूनलाइटिंग को नकारात्मक ही बताया है। हालांकि प्रसिद्ध भारतीय तकनीकी संस्था टेकमहिंद्रा के सीइओ सीपी गुरनानी ने मूनलाइटिंग का समर्थन करते हुए इसे सकारात्मक बताया है। दरअसल, नियमित व्यावसायिक घंटों के बाद दूसरी नौकरी करना मूनलाइटिंग के रूप में जाना जाता है। इसमें एक पेशेवर आम तौर पर शाम या रात में दूसरी कंपनी के लिए काम करता है। मूनलाइटिंग नयी अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में सदियों से व्याप्त है।

किसी सरकारी या निजी अस्पताल में काम करने वाले चिकित्सक अपने आवास या प्राइवेट क्लीनिक पर भी मरीज देखते हैं। शिक्षक विद्यालय के समय के बाद घर पर ट्यूशन देते हैं या सफाईकर्मी अपने मुख्य कार्यालय में सफाई के बाद दूसरी संस्थाओं में भी काम करता है। विभिन्न पेशेवर आजकल अपनी नियमित नौकरियों के अलावा गायन, अभिनय, संगीत, रंगमंच, सोशल मीडिया सहित अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी संलिप्त देखे जाते हैं। इन्हें कोई गलत नहीं मानता। फिर आईटी क्षेत्र में ही मूनलाइटिंग को क्यों गलत माना जाए? मूनलाइटिंग के साथ नियोक्ता के लिए निष्ठा और नैतिकता की बहस भी जोरों पर है, लेकिन अधिकतर नियोक्ता कर्मचारियों के हित के बजाय व्यापार लाभ को ज्यादा महत्व देते हैं। मसलन, बैजूस ने 12 अक्टूबर को एक ही दिन 25 सौ से ज्यादा कर्मचारियों की सामूहिक छंटनी कंपनी को वर्ष के अंत तक लाभदायक बनाने के नाम पर कर दिया। हमारे देश के बड़े एडटेक स्टार्टअप, जहां पिछले वर्ष ज्यादा वेतन वृद्धि देकर प्रतिभा अधिग्रहण की होड़ लगी थी, में इस वर्ष सामूहिक छंटनी की होड़ लगी है।

भारत ही नहीं, पूरे विश्व के आईटी पेशेवर छंटनी से जूझ रहे हैं। बीते 17 अक्टूबर को ही माइक्रोसॉफ्ट ने एक हजार से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की है। ओरेकल और इंटेल ने भी 12 अक्टूबर को सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी की है। चाहे वैश्विक आपदा हो या आर्थिक मंदी, सबसे पहले आईटी पेशेवरों को ही नौकरी से निकाला जाता है। 1990 के दशक में विश्व इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी छंटनी में कंप्यूटर निर्माता आईबीएम ने लागत में कटौती के नाम पर 60 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। प्रसिद्ध आईटी कंपनी एचपी 2008 और 2009 में दो बार क्रमशः 24600 और 27000 कर्मचारियों की सामूहिक छंटनी कर चुकी है। कोविड महामारी के शुरुआती दौर में लाखों आईटी पेशेवरों को नौकरी से निकाल दिया गया था। जब कंपनियां अपने व्यावसायिक लाभ को निष्ठा और नैतिकता के ऊपर प्राथमिकता दे सकती हैं, तो कर्मचारियों से भी निष्ठा की उम्मीद करना तर्कसंगत नहीं है। हालांकि कई ऐसी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियां भी हैं, जिनके लिए कर्मचारियों का हित महत्वपूर्ण होता है। वैसी कंपनियों में मूनलाइटिंग कर्मियों का अनुपात नगण्य है, साथ ही बहुत कम कर्मचारी नौकरी छोड़ कर जाते हैं। उदाहरण के लिए, हमारे देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस में सबसे कम एट्रिशन दर है और उसके कर्मचारी बहुत कम मूनलाइटिंग करते हैं। वैश्विक कंपनियों में एडोबी सबसे ज्यादा कर्मचारियों के हित का ख्याल रखती है इसलिए उसके कर्मचारी आम तौर पर मूनलाइटिंग करते हुए नहीं पाये गये हैं। मतलब साफ है, निष्ठा पारस्परिक होती है, जो कंपनी अपने सहयोगियों के लिए निष्ठा रखेगी, उसके कर्मचारी भी कंपनी के प्रति निष्ठा रखेंगे। बढ़ती महंगाई में बुनियादी आवश्यकताओं की बढ़ती लागत के कारण जीवन शैली बनाये रखने के लिए कई बार मूनलाइटिंग करना पड़ता है। अनिश्चित माहौल में मूनलाइटिंग आय के दूसरे स्रोत के रूप में सहारा प्रदान करता है। कई पेशेवर अपने कौशल को बढ़ाने के लिए समवर्ती रोजगार पकड़ लेते है, जिससे उनकी दक्षता मनचाहे क्षेत्र में बढ़े। लिंक्डइन द्वारा 2018 में संचालित एक अध्ययन के अनुसार, कौशल विकास के अवसरों की कमी तथा नौकरी से असंतुष्टि के कारण लोग नौकरी में बदलाव या अंशकालिक काम की तलाश करने लगते हैं। कई कंपनियों में नये भर्ती युवा कर्मचारियों और प्रबंधक जैसे वरीय कर्मचारियों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। नये कर्मचारियों को कम वेतन के साथ दबाव में नियत कार्यावधि से ज्यादा काम करना पड़ता है। कई कंपनियां अपने कर्मचारियों से वर्षों तक एक ही तरह के काम कराती हैं, जो उबानेवाला होता है। यही नहीं, कर्मचारियों के महत्वपूर्ण प्रयासों को भी सराहना नहीं मिलती। ऐसे में कर्मचारी अलग-थलग महसूस कर ऐसा काम ढूंढने लगते हैं, जहां उनके कार्य और योगदान को पहचान मिले। चूंकि स्टार्टअप विफलता दर अधिक है इसलिए मूनलाइटिंग से मुख्य नौकरी से आय बंद होने की स्थिति में एक विकल्प बना रहता है। आईटी कंपनियों को कर्मचारियों को जोड़ कर रखने के लिये परंपरागत मानव संसाधन तरीकों से हट कर नये पारस्परिक तरीकों को ईजाद करना होगा, जिससे कर्मचारी निष्ठा के साथ जुड़े रहें। अधिकतर बड़ी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने वाले कई कार्यक्रमों की शुरुआत की है। अब मूनलाइटिंग को अनुमति देने का वक्त है।

ये आदतें समय से पहले बना देंगी बूढ़ा

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को दिनचर्या और आहार को ठीक रखने की सलाह देते हैं। लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण न सिर्फ आप कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के शिकार हो सकते हैं, साथ ही कम उम्र में ही बुढ़ापे जैसे कई लक्षणों के विकसित होने का भी जोखिम हो सकता है। 20 से 30 की आयु में हम दिनचर्या की आदतें जिस तरह की रखते हैं, उसका शरीर पर बहुत प्रभाव पड़ता है। कई गड़बड़ आदतों के चलते 30 की उम्र में भी आप 10 साल बड़े दिखने लगते हैं। यह आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास के लिए भी समस्याकारक स्थिति हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को अपनी दिनचर्या को ठीक रखने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके अलावा आहार में कुछ एंटीएजिंग चीजों को भी शामिल कर सकते हैं, जो आपको उम्र बढ़ने के साथ त्वचा पर दिखने वाले लक्षणों से बचाने में सहायक हो सकती हैं। आइए ऐसी ही कुछ गड़बड़ आदतों के बारे में जानते हैं जो आपको समय से पहले बूढ़ा बना रही है, सभी लोगों को इनसे तुरंत दूरी बना लेनी चाहिए।

नींद न पूरी होना गंभीर

अपर्याप्त नींद की समस्या को अध्ययनों में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत के लिए नुकसानदायक पाया गया है। लंबे समय तक नींद में व्यवधान बना रहना हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली, निर्णय लेने की क्षमता के साथ मस्तिष्क कार्यों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। नींद की कमी भी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में तेजी का कारण बनती है। इस स्थिति में त्वचा के लोच में कमी, आंखों के नीचे की सूजन जैसी दिक्कतें दिखनी शुरू हो जाती हैं।

शराब-धूम्रपान की आदत

शराब-धूम्रपान की आदत को सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक माना जाता है, यह शरीर को अंदर से काफी कमजोर कर देती है जिसका साफ असर त्वचा पर दिखने लगता है। नियमित रूप से शराब पीने वाले लोग अपने से अधिक उम्र के दिखने लगते हैं। शराब एक प्राकृतिक मूत्रवर्धक है, जिसका अर्थ है कि इससे शरीर में डिहाइड्रेशन का खतरा अधिक हो सकता है। इसके अलावा धूम्रपान को कई क्रोनिक बीमारियों का कारण माना जाता है। शरीर बीमार होने से त्वचा की चमक खत्म होने लगती है।

आहार को लेकर गड़बड़ी

समय से पहले उम्र बढ़ने वाले संकेतों के लिए आहार की गड़बड़ी को प्रमुख कारक के तौर पर देखा जाता है। वसा, कार्बोहाइड्रेट, जंक-फास्ट फूड्स जैसे आहार का अधिक सेवन करना शरीर के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक माना जाता है। इसके अलावा प्रोसेस्ड फूड, रेड मीट के अधिक सेवन के कारण शरीर में इंफ्लामेशन की दिक्कत हो सकती है। यह त्वचा में झुर्रियां का कारण बन सकती है। इस तरह के खाद्य पदार्थों को तेजी से वजन बढ़ाने वाला भी माना जाता है, जिसके कारण डायबिटीज-हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

सूर्य के प्रकाश में ज्यादा रहना

सूर्य का प्रकाश शरीर को विटामिन डी प्रदान करता है पर इसके अधिक संपर्क में रहने वालों में त्वचा और रक्त वाहिकाओं पर कई प्रकार के नकारात्मक प्रभाव देखे गए हैं। यूवी किरणों के अत्यधिक संपर्क में आने से आपकी त्वचा की रक्त वाहिकाएं और त्वचा की कोशिकाएं कमजोर हो जाती हैं। समय के साथ इसके कारण त्वचा पर झुर्रियां, भूरे धब्बे और गंभीर स्थितियों में त्वचा कैंसर तक का खतरा हो सकता है।

हंसना मना है

टीचर-लड़कियां अगर पराया धन होती हैं तो लड़के क्या होते हैं? पिंटू- सर लड़के चोर होते हैं। टीचर- वह कैसे? पिंटू- क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराए धन पर होती है।

डॉक्टर (पेशेंट की पत्नी से)- आपके पति को बहुत ज्यादा आराम की जरूरत है, ये लो नींद की गोलियां। पत्नी- उन्हें ये कब देनी है? डॉक्टर- ये उनके लिए नहीं, आपके लिए है।

संता अपने पड़ोसी दोस्त बंता से बोला, आज सुबह तेरे कुत्ते ने मेरी किताब फाड़ दी। बंता- मैं उसे अभी सजा देता हूं। संता- रहने दे भाई, मैंने सजा दे दी है। बंता- हैरानी से, कैसे? संता- मैंने उसके कटोरे का दूध पी लिया।

टीटू- जानता है सगाई और शादी के बीच में थोड़ा समय क्यों रखा जाता है? शौंटी - क्यों? टीटू- ताकि कोई ये न कह सके कि मुझे दुर्घटना से बचने का मौका नहीं दिया गया।

पेशेंट- डॉक्टर मुझे अजीब बीमारी है। मुझे एक की जगह 2 दिखाई देते हैं। डॉक्टर- घबराएं नहीं। पहले ये बताएं कि क्या आप चारों को एक ही बीमारी है?

टीटू अपनी पत्नी से- मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूं, बीवी- अच्छा, तो क्या मैं आपको नहीं करती? आपके लिए तो मैं पूरी दुनिया से लड़ सकती हूं, टीटू- लेकिन बेबी तुम तो बस मुझसे ही लड़ती रहती हो? बीवी- आप ही तो मेरी दुनिया हो।

कहानी — गरीब किसान का धन

रामू और श्यामू दो अच्छे पडोसी थे रामू बेहद गरीब किसान था जबकि श्यामू अमीर पैसे वाला बड़े मकान का मालिक था। रामू भले ही गरीब था लेकिन वह अपने को हमेशा खुश और आराम महसूस करता था वह कभी भी रात में सोते समय कभी घर की खिड़किया या दरवाजे बंद करके नहीं सोता था उसे किसी भी प्रकार की चिंता नही थी वह पूरी रात आराम से गहरी नीद में सोता था और इस प्रकार उसका जीवन शांतिपूर्ण कट रहा था जबकि इसके ठीक उलट श्यामू इतने धनवान होने के बावजूद हमेशा तनाव में रहता था वह पूरी रात खिड़कियों और दरवाजो को बंद करके भी सो नही पाता था। वह हमेशा इसी चिंता में रहता था कि कही चोर उसके तिजोरी को तोड़कर धन न चुरा ले जाएं जिसके कारण उसे दिन रात बस धन की ही फिक्र लगी रहती थी। एक दिन की बात है श्यामू रामू से मिला तो श्यामू बोला तुम हमेशा गरीबी में ही रहते हो मुझसे कुछ धन ले लो और तुम भी अपना जीवन सुखपूर्वक गुजारो। इसके बाद रामू अपने पड़ोसी से धन पाकर बहुत खुश हुआ। उसने न जाने कितने सपने देखे। इस प्रकार रात भी होने को आई फिर धन को घर में छिपाकर खिड़कियों दरवाजों को अच्छी तरह से बंद करके बिस्तर पर सोने को चला गया लेकिन उसे आज नींद ही नही आ रही। उसका मन बार-बार मिले धन पर ही जाता था। बार-बार अपने धन के बारे में सोचता रहा जिसके कारण आज वह पहली बार पूरी रात सो न सका और फिर रामू ने निश्चय किया कि जिस धन के चलते मेरी नीद और सुख चला गया हो भला वह धन मेरे किस काम का। सुबह ही इसको अपने मित्र श्यामू को वापस कर दूंगा और जैसे ही सुबह हुई वह धन को लेकर श्यामू के पास आ गया और धन लौटाते हुए बोला, मित्र मैं गरीब जरुर हूं लेकिन सुख से अमीर था आपके दिए पैसे ने मेरे सारे सुख-चैन को गायब कर दिया। ऐसा धन न होने से ही अच्छा है इसलिए इसे आप वापस अपने पास रख लें और इस प्रकार धन लौटाने के बाद फिर से रामू अपने सुख के दिनों में वापस लौट आया।

कहानी से यही शिक्षा मिलती है की धन से सबकुछ नही मिल सकता है जो भी हमे ईश्वर ने दिया है उसमे संतुष्ट होना सीखे और यदि आप ऐसा करते है तो ईश्वर द्वारा दिए गए सुख में आप हमेशा संतुष्ट रह सकते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

वृषभ

मानसिक शान्ति के लिए किसी दान-पुण्य के काम में सहभागिता करें। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फायदा दिलायेगा। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा।

मिथुन

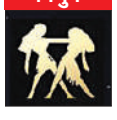

घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें। आपका मूडी रवैया आपके भाई का मिजाज खराब कर सकता है। ज़ेहन के बंधन को बनाए रखने के लिए आपको परस्पर सम्मान और विश्वास पैदा करने की जरूरत है।

कर्क

आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहेगा। आज कार्यों में तरक्की बनी रहेगी। साथ ही कोई मांगलिक कार्य भी कर सकते हैं। दोस्तों के साथ बाहर मौसम का लुफ्त उठा सकते हैं।

सिंह

निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके मिल सकते हैं। आज नए विचार आपके सामने आते रहेंगे। आज योजना बनाने और फैसला लेने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कन्या

बड़े बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। धन लाभ का योग बन रहा है। शत्रु आपको हराने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपके सामने अधिक देर तक ठहर नहीं पायेंगे।

तुला

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ खुशी के पल बिताएं। इसके लिए आप परिवार से सराहना पाएंगे।

वृश्चिक

आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएं। जरूरत के वक्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। प्यार में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे।

धनु

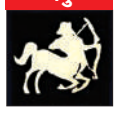

आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकल कर प्रकृति का आनंद लेंगे । पुरानी बहुमूल्य चीजों के मोलभाव पर आज आपको लाभ होगा।

मकर

आज का दिन शानदार बीतेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। आपकी सैलरी में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। आपके अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं।

कुम्भ

आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है । आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें, नकारात्मक चीजों को अपने ऊपर हावी न होने दें लेकिन आपको अच्छे ऑप्शन देखकर ही कदम आगे बढ़ाना चाहिए।

मीन

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें। दोस्तों और परिवार के साथ मजेदार समय बीतेगा।

चिरंजीवी ने फिल्म मेगा 154 के लिए शूट किया एक्शन सीक्वेंस

टॉलीवुड मसाला

निर्देशक बॉबी (के. एस. रवींद्र) की एक्शन एंटरटेनर फिल्म जिसका शीर्षक अस्थायी रूप से मेगा154 है और इसमें अभिनेता चिरंजीवी और रवि तेजा मुख्य भूमिका में हैं, एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग में व्यस्त है। यूनिट के करीबी सूत्रों ने कहा कि, फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में तेज गति से चल रही है और टीम भारी एक्शन सीक्वेंस को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

मास महाराजा रवि तेजा इस फिल्म में दमदार और लंबी भूमिका निभाते नजर आएंगे, जिसका टाइटल टीजर 24 अक्टूबर को दीपावली के लिए रिलीज किया जाना है। फिल्म को 2023 में संक्रांति के लिए स्क्रीन पर हिट करने के लिए निर्धारित किया गया है और शेड्यूल के अनुसार काम चल रहा है। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद ने इस प्रोजेक्ट के लिए संगीत दिया है।

श्रुति हासन फिल्म में चिरंजीवी के साथ प्रमुख महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो सभी व्यावसायिक सामग्रियों से भरपूर एक मास-एक्शन एंटरटेनर है। नवीन यरनेनी और वाई. रविशंकर फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जबकि जी.के. मोहन सह-निर्माता हैं। एक शीर्ष तकनीकी टीम परियोजना से जुड़ी हुई है, जबकि कई उल्लेखनीय अभिनेता इसका हिस्सा हैं।

मेगा154 की छायांकन आर्थर ए. विल्सन ने की है। निरंजन देवरामन संपादक हैं और सुष्मिता कोनिडेला कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। जहां कहानी और संवाद बॉबी ने खुद लिखे हैं, वहीं कोना वेंकट और के. चक्रवर्ती रेड्डी ने पटकथा लिखी है। लेखन विभाग में हरि मोहन कृष्ण और विनीत पोटलुरी भी शामिल हैं।

कांतारा की तारीफ पर ऋषभ ने कंगना का जताया आभार

कन्नड़ अभिनेता ऋषभ शेट्टी की ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा इन दिनों दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म की क्रिटिक्सों ने भी काफी सराहना की है। हाल ही में कंगना रनोट ने कांतारा देखने के बाद अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वो बता रही हैं कि वो कांतारा देखने के बाद कांप रही हैं और वो कई दिनों तक इस फिल्म को नहीं भूल पाएंगी। इस तारीफ के बाद ऋषभ ने कंगना रनोट का आभार व्यक्त किया है और उनकी प्रशंसा की है। इस वीडियो को कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। वीडियो में ऋषभ कहते हैं, जैसे ही मैंने उनके वीडियो को देख तो तुरंत ही धन्यवाद किया और उस वीडियो को अपनी स्टोरी पर भी लगा दिया। इस वीडियो में ऋषभ हिंदी में बोलते हुए कहते हैं बहुत अच्छा लगता है, जब आपकी इतनी तारीफ हो। ऋषभ शेट्टी की फिल्म 14 अक्टूबर को हिंदी में रिलीज हुई है और कांतारा तभी से हिंदी बॉक्स ऑफिस पर अपनी बढ़ बनाती हुई दिख रही है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श की मानें तो फिल्म ने दूसरे शुक्रवार को 2.05 करोड़ की कमाई करते हुए अब तक टोटल हिंदी बेल्ट में 17.05 करोड़ की कमाई कर ली है। ऐसी है कांतारा की कहानी होंबले फिल्म के बैनर तले बनी इस फिल्म में कन्नड़ अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने मुख्य शिवा कंबाला चैंपियन का किरदार निभाया है और उन्होंने ही इस फिल्म के डायरेक्ट किया है। इस फिल्म की कहानी कर्नाटक के तटीय गांव पर स्थित है, जो एक राजा के परिवार, दैव और गुलिका के इर्द-गिर्द है।

बॉलीवुड मन की बात

'बहुत कंट्रोवर्शियल है' कहने वाले मेकर्स पर स्वरा भास्कर का तंज

स्वरा भास्कर बॉलीवुड की बेबाक अभिनेत्री हैं। वह ट्विटर पर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। इस वजह से उन्हें विवादों का भी सामना करना पड़ता है। स्वरा अपने कई इंटरव्यू में कह चुकी हैं कि ट्वीट की वजह से करियर में उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है और फिल्मों से लेकर विज्ञापन तक उनके हाथ से चले गए हैं। अब स्वरा ने एक वीडियो पोस्ट किया और उन निर्माताओं को आड़े हाथों लिया जो उन्हें बहुत कंट्रोवर्शियल कहते हैं। स्वरा ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह हाल ही में ट्रेंड हुआ एक डांसिंग स्टेप फॉलो करती हैं। स्वरा अपने घर पर डांस करती नजर आती हैं। इस दौरान उन्होंने पिंक और येलो कलर की साड़ी पहनी है और बालों का बन बनाया है। ट्रेडिशनल लुक में स्वरा ने हैवी ज्वेलरी कैरी की। उनके वीडियो पर लिखा आता है- 'प्रोड्यूसर्स कहते हैं- बहुत कंट्रोलवर्शियल है। मैं, मेरी फिल्म के लिए ज्यादा पब्लिसिटी।' वीडियो में स्वरा डांस करते हुए कैमरे की ओर बढ़ती हैं और मुस्कुराती हैं। इसके साथ कैप्शन में लिखा है, 'दुनिया की सबसे बड़ी ढीट ьढीट थ्येथर' स्वरा के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी आने वाली फिल्म का नाम 'मीमांसा' है। यह एक मर्डर मिस्ट्री फिल्म है। इसके अलावा उनके खाते में महिला प्रधान फिल्म 'मिसेज फलानी' है। स्वरा की हालिया रिलीज 'जहां चार यार' थी। फिल्म का निर्देशन कमल पांडे ने किया था। स्वरा भास्कर अभी ओटीटी की फिल्मों में काम कर रही है। वे जल्द ही नई फिल्म में नजर आ सकती है।

बेहद डरावनी है इस खूबसूरत गुड़िया की कहानी, जानकर खौफ में आ जाएंगे आप

छोटे बच्चों को खिलौनों से खेलने का बहुत शौक होता है लेकिन कई बार ये खिलौना ही उनके लिए मुसीबत बन जाते हैं। ऐसा ही कुछ कहा जा रहा है एक गुड़िया के बारे में जिसकी आंखें नीली है। वो देखने में बहुत सुंदर दिखती है, लेकिन हैरानी की बात ये है कि जब कोई इसे 30 सेकंड तल लगातार देखता है तो उसकी चीख निकल जाती है। बताया जा रहा है कि इस गुड़िया को सात साल पहले किसी ने एक बच्ची को गिफ्ट किया था। इस गुड़िया को पाकर बच्ची बहुत खुश हुई। शुरु में तो बच्ची इस गुड़िया को खुद से दूर नहीं होने देती थी, लेकिन कुछ दिन बात एक अनहोनी होना शुरु हो गई। क्योंकि ये गुड़िया रात होते ही बच्ची के कमरे से खुद ब खुद बाहर जाने लगी। बच्चों ने बताया कि जब रात को वह गुड़िया को जहां रखते थे, लेकिन सुबह उठने पर वो वहां से गायब हो जाती थी। इस परिवार की सबसे बड़ी 20 साल की बेटी एंजी ने बताया कि रात को अजीब सी आवाजें भी आती हैं, जैसे अलमारी के दरवाजे का तीन बार खुलना-बंद होना, कमरे के दरवाजे पर ठक-ठक का शोर, किसी के चलने-फिरने की आवाज वगैरह। यही नहीं इस परिवार के 18 साल के बेटे स्टीवन का भी कहना है कि जब भी इस गुड़िया को धक्का दिया जाता है, तो वह बड़बड़ाने लगती है। मानो कोई प्रार्थना कर रही हो। इसके बाद पूरे परिवार का डर तब और बढ़ गया जब हर सुबह घर के बच्चों के शरीर और चेहरे पर घाव के निशान पाए जाने लगे, निशान को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने अपने नाखूनों ने उन्हें खरोचा हो। परिवार का दावा है कि यह सब इस गुड़िया की वजह से हो रहा है। इस परिवार की मानें तो गुड़िया में किसी प्रेत-आत्मा का वास है।

अजब-गजब

जहां दिन में भी जाने से घबराते हैं लोग

रहस्यमयी तरीके से गायब हो गया था ये गांव

प्राचीन काल में हमारे देश में तमाम सभ्यताएं ने जन्म लिया। ये सभ्यताएं समय के साथ-साथ बदल गईं या जमीन में समा गईं। जिनके रहस्य आज भी भारत की धरती में छिपे हुए हैं। लेकिन कई सदियां बीत जाने के बाद भी इन सभ्यताओं का आज कोई पता नहीं चल सका। इनके रहस्य आज भी अनसुलझे हैं। ये रहस्य ऐसे हैं कि इन्हें जितना सुलझाने की कोशिश करोगे वो उतने ही उलझते जाएंगे। राजस्थान के जैसलमेर में एक ऐसा ही गांव है जिसकी जमीन में कई रहस्य छिपे हुए हैं। इस गांव नाम है कुलधरा। कुलधारा गांव पिछले 170 सालों से वीरान पड़ा है। एक ऐसा गांव जो रात ही रात में वीरान हो गया और सदियों से लोग आजतक नहीं समझ पाए कि आखिर ये गांव वीरान कैसे हो गया। इस गांव के वीरान होने का रहस्य अजीबोगरीब है। दरअसल, करीब 200 साल पहले कुलधरा आबाद हुआ करता था। कुलधरा गांव के आसपास 84 गांवों में पालीवाल ब्राह्मण रहा करते थे। लेकिन एक बार कुलधरा को किसी की बुरी नजर लग गई। इसकी वजह एक शख्स बना। जो रियासत का दीवान था जिसका नाम सालम सिंह था। सालिम सिंह अय्याश किस्म का था। एक बार उसकी नजर गांव कि एक खूबसूरत लड़की पर पड़ गई। दीवान उस लड़की के पीछे इस कदर पागल था

कि बस किसी तरह से उसे पा लेना चाहता था। उसने इसके लिए ब्राह्मणों पर दबाव बनाना शुरु कर दिया। हद तो तब हो गई कि जब सत्ता के मद में चूर उस दीवान ने लड़की के घर संदेश भिजवाया कि यदि अगले पूर्णमासी तक उसे लड़की नहीं मिली तो वह गांव पर हमला करके लड़की को उठा ले जाएगा। दीवान सिंह और गांववालों की ये लड़ाई अब एक कुंवारी लड़की के सम्मान की भी थी। गांव के आत्मसम्मान की भी। गांव की चौपाल पर पालीवाल ब्राह्मणों की बैठक हुई और 5,000 से ज्यादा परिवारों ने अपने सम्मान के लिए रियासत छोड़ने का फैसला ले लिया। कहा जाता है कि निर्णय लेने के लिए सभी 84 गांव वाले एक मंदिर पर इकट्ठा हो गए। पंचायतों ने फैसला किया कि कुछ भी हो जाए अपनी लड़की उस दीवान को नहीं देंगे।

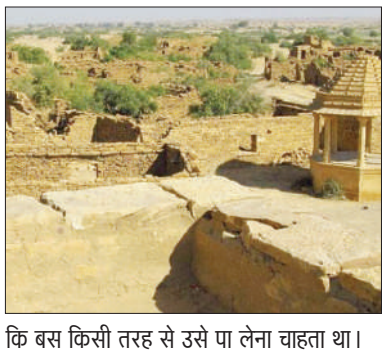

अगली शाम कुलधरा कुछ यूं वीरान हुआ, कि आज परिंदे भी उस गांव की सरहदों में दाखिल नहीं होते। कहते हैं गांव छोड़ते वक्त उन ब्राह्मणों ने इस जगह को श्राप दिया था। बता दें कि बदलते वक्त के साथ 82 गांव तो दोबारा बन गए, लेकिन दो गांव कुलधरा और खाभा आजतक आबाद नहीं हो पाए। ये गांव अब भारतीय पुरातत्व विभाग के संरक्षण में हैं जिसे दिन की रोशनी में सैलानियों के लिए रोज खोल दिया जाता है। कहा जाता है कि यह गांव रूहानी ताकतों के कब्जे में है। अब ये गांव पूरी तरह से टूरिस्ट प्लेस बन चुका है। कुलधरा गांव घूमने आने वालों के मुताबिक यहां रहने वाले पालीवाल ब्राह्मणों की आहट आज भी सुनाई देती है। बाजार के चहल-पहल की आवाजें आती हैं, महिलाओं के बात करने और उनकी चूड़ियों और पायलों की आवाज हमेशा ही आती रहती है।

इस गांव में एक मंदिर है जो आज भी श्राप से मुक्त है। एक बावड़ी भी है जो उस दौर में पीने के पानी का जरिया था। एक खामोश गलियारे में उतरती कुछ सीढ़ियां भी हैं, कहते हैं शाम ढलने के बाद अक्सर यहां कुछ आवाजें सुनाई देती हैं। लोग मानते हैं कि वो आवाज 18वीं सदी का वो दर्द है, जिनसे पालीवाल ब्राह्मण गुजरे थे।

सिर्फ राहुल गांधी दे सकते हैं मोदी को चुनौती : गहलोत

» कांग्रेस में नए युग की शुरुआत, पार्टी को देंगे मजबूती

» सीएम ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल ली। इस पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि यह एक नई शुरुआत है। हम मल्लिकार्जुन खड़गे को बधाई देते हैं और हम उनके साथ मिलकर पार्टी को मजबूती देने के लिए काम करेंगे। हम अंतिम मिनट तक राहुल गांधी

को मनाते रहे ताकि वह पार्टी अध्यक्ष बने क्योंकि हमें लगता है कि वह अकेले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को चुनौती दे सकते हैं।

गहलोत का यह बयान काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वह भी पार्टी अध्यक्ष बनने के तगड़े दावेदार थे। एक समय लग रहा था कि वह ही पार्टी अध्यक्ष बनेंगे। हालांकि, राजस्थान में उनके समर्थक कांग्रेस विधायक चाहते थे कि गहलोत मुख्यमंत्री पद का दायित्व भी संभालें। इस वजह से गफलत हो गई और गहलोत के हाथ से यह पद चला गया। 25 सितंबर को कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने नए मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा करने के लिए विधायक दल की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में शामिल होने की जगह विधायक मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के आवास पर जुट गए थे। जहां गहलोत गुट के मंत्री और विधायकों ने सचिन पायलट के सीएम बनाए जाने का विरोध किया था। बाद में विधान सभा अध्यक्ष सीपी जोशी के आवास पर पहुंचकर इस्तीफा दे दिया था। गौरतलब है कि भारत जोड़ो यात्रा के तीन दिन के दिवाली ब्रेक में 48 दिनों बाद पहली बार दिल्ली आए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भी खड़गे के कार्यक्रम में शामिल हुए। अध्यक्ष पद संभालने से पहले खड़गे ने राजघाट पर महात्मा गांधी, शांति वन में जवाहरलाल नेहरु व शक्ति स्थल पर इंदिरा गांधी तथा वीर भूमि पर जाकर राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाबा केदारनाथ के जयकारों के बीच धाम के कपाट बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

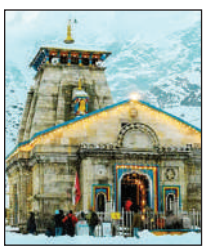

» अब छह माह ओंकारेश्वर मंदिर में रहेंगे विराजमान

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ मंदिर के कपाट आज भैया दूज के अवसर पर मंत्रोच्चारण के बीच शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे। 29 अक्टूबर को डोली अपने शीतकालीन पूजा गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान होगी।

परंपरानुसार भगवान आशुतोष के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्रीकेदारनाथ धाम के कपाट आज सुबह 8.30 बजे विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। इस मौके पर सैकड़ों भक्तों ने बाबा के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। इस वर्ष केदारनाथ यात्रा में रिकॉर्ड 15 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। सुबह चार बजे से ही मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना शुरू हो गई थी। मुख्य पुजारी टी गंगाधर ने आराध्य का श्रृंगार कर आरती उतारी। इस मौके पर स्वयंभू लिंग को समाधि रूप देकर पुष्प व भस्म से ढका गया। भगवान की भोग मूर्तियों को चल विग्रह उत्सव डोली में विराजमान कर भक्तों के दर्शनों के लिए कुछ देर मंदिर परिसर में रखा गया।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने भाजपा को ललकारा, बोले

मोकामा में नहीं है कोई टक्कर, टूटेगा रिकॉर्ड

» बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी लड़ रहीं चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में मोकामा और गोपालगंज विधान सभा सीट पर उपचुनाव के लिए तीन नंवबर को वोटिंग होनी है। छह नंवबर को परिणाम आएगा। पूर्व राजद विधायक अनंत सिंह का गढ़ कहे जाने वाले मोकामा पर सबकी नजर है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुंगेर के सांसद ललन सिंह ने बुधवार को अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी के लिए चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि इस बार हर रिकार्ड टूटेगा। भाजपा यहां टक्कर में ही नहीं है। यहां भाजपा 40 नहीं 80 स्टार प्रचारक उतार दे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मोकामा की जनता महागठबंधन के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि छह नवंबर को परिणाम आएगा लेकिन मैं आपको आज ही बता देता हूं कि रिजल्ट

के दिन पिछला सारा रिकॉर्ड टूटेगा और नीलम देवी की जीत होगी। अनंत सिंह और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह की अदावत किसी से छिपी नहीं है। पिछली लोक सभा चुनाव में मुंगेर से चुनाव लड़ रहे ललन सिंह के खिलाफ अनंत सिंह ने अपनी पत्नी नीलम देवी को उतारा था। उस दौरान पूर्व राजद विधायक द्वारा जदयू के बड़े नेताओं के खिलाफ जमकर बयानबाजी की गई थी लेकिन सियासत ने पल्टी मारी और अब नीलम देवी की जीत के लिए जदयू भी चुनावी मैदान में है।

घाट के निरीक्षण के दौरान सीएम नीतीश को लगी चोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बीते 15 अक्टूबर को छठ घाट के निरीक्षण के दौरान चोट लगी थी। यह जानकारी उन्होंने खुद ही मीडिया को दी है। मुख्यमंत्री ने दानापुर के नासरीगंज से पटना शहर के गायघाट तक का निरीक्षण किया था। उसी दौरान खबर सामने आई थी कि नीतीश कुमार अपना संतुलन खो बैठे और एक पिलर से जाकर टकरा गए। हालांकि यह खबर किसी तरह दब गई थी।

उन्होंने जानकारी दी कि उनके पेट और पैर में चोट लगी थी। पेट में अभी भी पट्टी बंधी हुई हैं। मीडिया के कैमरों के सामने उन्होंने अपना कुर्ता हटाकर जख्म दिखाया। उन्होंने यह भी बताया कि वे गाड़ी की आगे की सीट पर तब से नहीं बैठ रहे हैं क्योंकि आगे की सीट में सीट बेल्ट लगाना होगा। डॉक्टर ने जख्म वाली जगह को ठीक से रखने के लिए कहा है। पटना के छठ घाटों का जायजा लेने के दौरान वह स्टीमर पर सवार हुए थे। इसी बीच यह हादसा हुआ। हादसे में मुख्यमंत्री कुमार को काफी चोटें लगी थीं। तब अफसरों ने मामूली चोट बताते हुए इनकार कर दिया था।

हिमाचल विधान सभा चुनाव

सोलन में चुनावी हुंकार भरेंगे प्रधानमंत्री

» बिलासपुर, ऊना और चंबा में कर चुके हैं रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 नवंबर को सोलन में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। उनका दौरा लगभग तय हो चुका है। मोदी ठोडो मैदान में शिमला लोक सभा क्षेत्र के सोलन, शिमला और सिरमौर के सभी 17 विधान सभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के पक्ष में दोपहर के समय जनसभा करेंगे।

सोलन जिला शिमला और सिरमौर के केंद्र में पड़ता है। लिहाजा यहां पर ही प्रधानमंत्री समेत केंद्रीय नेताओं की रैलियां और जनसभाएं आयोजित की जाती हैं। इससे पहले मोदी निचले हिमाचल में रैलियां और जनसभाएं कर चुके हैं। बिलासपुर, ऊना, चंबा में चुनावी हुंकार भर चुके हैं।

इसके अलावा मंडी में उन्होंने कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित किया था। विधान सभा चुनाव को देखते हुए दशहरे के बहाने कुल्लू में भी मोदी आ चुके हैं। इससे पहले सोलन में मोदी ने 2019 के लोक सभा चुनाव के दौरान जनसभा की थी। उसके बाद वह पहली बार सोलन आएंगे। उधर, इसके बारे में हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री 5 नवंबर को सोलन में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसमें शिमला लोक सभा क्षेत्र के सभी विधान सभा प्रत्याशियों के पक्ष में यह जनसभा होगी।

गुजरात : कांग्रेस की हवा बिगाड़ सकती आप

केजरीवाल भाजपा पर है ज्यादा हमलावर, तीसरे खिलाड़ी के रूप में आम आदमी पार्टी मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात में अरविंद केजरीवाल के लिए न तो पंजाब जैसी अनुकूल स्थिति है और न ढाई दशकों से राज्य की सत्ता के शीर्ष पर बैठी भाजपा के लिए प्रतिकूल है। फिर भी अगर आम आदमी पार्टी (आप) गुजरात में अपनी संभावनाओं की तलाश में है तो इसका सीधा असर पिछले चुनाव में सशक्त तरीके से भाजपा का सामना करने वाली कांग्रेस पर पड़ सकता है।

2017 के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से लगभग सात प्रतिशत कम वोट आए थे। 182 सदस्यों वाले सदन में सीटों का अंतर भी मात्र 22 था। गुजरात में भाजपा सात बार से लगातार जीतती आ रही है। यहां भाजपा की मुख्य लड़ाई कांग्रेस के साथ होती रही है। पिछली बार भी दोनों राष्ट्रीय दलों

के बीच कड़ा मुकाबला था। 49.1 प्रतिशत वोटों के साथ भाजपा को 99 सीटें और 41.4 प्रतिशत वोटों के साथ कांग्रेस को 77 सीटें मिली थीं। हालांकि बाद के उपचुनावों में भाजपा की सीटें बढ़ाकर 111 और कांग्रेस की घटाकर 66 ही रह गई हैं। इस बार दोनों के बीच तीसरे खिलाड़ी के रूप में आम आदमी पार्टी का प्रवेश हो गया है। दिल्ली और पंजाब से कांग्रेस का सफाया करने के बाद आप की कोशिश गुजरात में भी पांव पसारने की है। दिल्ली-पंजाब की सफलता को कांग्रेस के संदर्भ में देखने से स्थिति स्पष्ट हो जाती है कि अभी तक आप को उन्हीं राज्यों में सफलता मिली है, जहां कांग्रेस की सरकार थी। गोवा में मुख्य मुकाबला भाजपा से होने के चलते आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी थी। मात्र दो सीट और 6.77 प्रतिशत वोटों से ही केजरीवाल को संतोष करना पड़ा था। लगभग ऐसी ही स्थिति का सामना उन्हें उत्तराखंड में भी करना पड़ा था, जहां उन्हें चार प्रतिशत वोट भी नहीं मिल पाए थे। हालांकि दोनों ही राज्यों में केजरीवाल ने कांग्रेस को ही क्षति पहुंचाकर वोट प्राप्त किया था। गुजरात की स्थिति गोवा और उत्तराखंड से थोड़ा अलग है इसीलिए केजरीवाल को वहां से अतिरिक्त उम्मीदें भी हैं। वे कांग्रेस की तुलना में भाजपा पर ज्यादा हमलावर हैं। आम आदमी पार्टी अपना मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा को बता रही है। इस प्रयास में भाजपा पर तीखे हमले किए जा रहे हैं जो अंततः कांग्रेस के लिए नुकसान का कारण बन सकता है।

खड़गे की रणनीति का इंतजार

भाजपा और आप का संघर्ष प्रत्यक्ष तौर पर दिख रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कांग्रेस परिदृश्य से गायब है। माना जा रहा कि परोक्ष तौर पर कांग्रेस भी अपनी जमीन को विस्तार दे रही है। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रणनीति का भी इंतजार है। चुनाव की घोषणा अभी बाकी है। जैसे-जैसे माहौल में तल्खी आएगी वैसे-वैसे हवा का रुख भी बदल सकता है।

पोल से टकराई टवेरा, दर्शन के लिये जा रहे छह लोगों की मौत

» प्रयागराज के हंडिया इलाके में टोल प्लाजा से पहले हुआ भीषण सड़क हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र के शिवगढ़ से विंध्याचल दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की टवेरा कार बृहस्पतिवार की सुबह बिजली के पोल से टकरा गई। इस हादसे में टवेरा कार में सवार एक ही परिवार की 4 महिलाओं समेत छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जान गंवाने वालों में एक बालिका भी शामिल हैं।

हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के अनुसार हंडिया इलाके में हंडिया टोल प्लाजा के पास हादसा सुबह करीब 6:40 पर हुआ। टवेरा गाड़ी क्रमांक यूपी 78 बीक्यू 3601 से ग्राम सराय लाल उर्फशिवगढ़ थाना सोरांव जिला प्रयागराज से चलकर विंध्याचल दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की टवेरा हड़िया टोल प्लाजा से पहले बिजली के पोल से टकराने के कारण अनियंत्रित हो गई, जिससे मौके पर 4 महिला समेत दो अन्य की मौत हो गई। मृतकों में रेखा पत्नी संजय अग्रहरी, रेखा पत्नी रमेश, कृष्णा देवी पत्नी श्यामलाल, कविता पत्नी दिनेश और एक वर्ष की कुमारी ओजस शामिल हैं। घायलों में उमेश पुत्र श्यामलाल, प्रिया पत्नी उमेश, गोटू पुत्री रमेश, ऋषभ पुत्र राम सजीवन अग्रहरि, चालक इरशाद समस्त निवासी शिवगढ़ को उपचार हेतु सीएचसी उपरदहा भेजा गया है। शवों को एंबुलेंस से एसआरएन मर्चरी के लिए भिजवा दिया गया है।

कन्नौज में टेंपो और बाइक की भिड़ंत, दो की मौत

देर रात सदर कोतवाली क्षेत्र के तिर्वा क्रॉसिंग के पास सवारी लेकर जा रहे तेज रफ्तार टेंपो ने सामने से आ रही बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में एक बाइक सवार व एक टेंपो सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। जबकि ड्राइवर समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक युवक की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने कानपुर रेफर कर दिया।

राहुल के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा फिर शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीन दिन के ब्रेक के बाद कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा आज से फिर शुरू हो गई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत तेलंगाना के नारायणपेट जिले के मकतल से की गई। इस दौरान तेलंगाना के पार्टी नेता और कार्यकर्ता भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। दरअसल, कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आज 50वां दिन है। बीते रविवार को भारत जोड़ो यात्रा पर ब्रेक लग गया था।

सांसद राहुल गांधी को कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ताजपोशी के लिए दिल्ली जाना पड़ा था, जिसके कारण तीन दिन तक भारत जोड़ो यात्रा रुकी रही। हालांकि आज से भारत जोड़ो यात्रा शुरू हो गई है। बता दें कि कांग्रेस की भारत जोड़ यात्रा का तेलंगाना चरण आज से शुरु हो रहा है। भारत जोड़ो यात्रा तेलंगाना में 7 नवंबर तक चलेगी। इसके बाद ये अगले पड़ाव की ओर रवाना होगी।

भाजपा पर तेलंगाना में ऑपरेशन लोट्स का आरोप, तीन गिरफ्तार

» विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलंगाना पुलिस ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के चार विधायकों को खरीदने की कोशिश का खुलासा किया है। साइबराबाद पुलिस ने दावा किया है कि एक फार्महाउस की तलाशी के दौरान तीन लोगों को अरेस्ट किया गया। ये तीनों केसीआर की पार्टी टीआरएस के विधायकों को खरीदने आए थे। इनके पास से नकदी और चेक भी बरामद किए गए हैं।

टीआरएस ने इस पूरे मामले में भाजपा को दोषी ठहराया है। पार्टी के प्रवक्ता कृष्णक ने कहा कि टीआरएस के विधायक बिकने वाले नहीं है। टीआरएस के जिन विधायकों को खरीदने की कोशिश की गई, उनमें गुववाला बलाराजू, बीरम हर्षवर्धन, पायलट रोहित रेड्डी, रेगा कंथाराव शामिल हैं। तेलंगाना के सीएम चंद्रशेखर राव ने दशहरा के मौके पर राष्ट्रीय पार्टी लॉन्च की और इसे भारत राष्ट्र समिति नाम दिया। इस पूरे मामले को लेकर टीआरएस के सोशल मीडिया संयोजक सतीश रेड्डी ने ट्विटर पर वीडियो शेयर किया है। इसमें होटल व्यवसायी नंदू दिख रहे हैं। नंदू पर ही विधायकों को खरीदने के आरोप लगे हैं।

केंद्र की बैठक में नहीं शामिल होंगी ममता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर हरियाणा के फरीदाबाद जिले में दो दिवसीय चिंतन शिविर होने जा रहा है। सूरजकुंड में होने वाले इस चिंतन शिविर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सभी राज्यों के गृहमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। 27 और 28 जुलाई को होने वाले चिंतन शिविर में अगले 25 सालों में देश की आंतरिक सुरक्षा के रोडमैप को लेकर चर्चा होगी। वहीं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस बैठक में शामिल नहीं होंगी। पीटीआई के मुताबिक राज्य सरकार चिंतन शिविर में गृह सचिव बीपी गोपालिका या राज्य के डीजीपी (होम गार्ड) मनोज मालवीय को भी नहीं भेजेगी। हालांकि, इस बैठक में अतिरिक्त महानिदेशक (होम गार्ड) नीरज कुमार सिंह शामिल होंगे।

गनर पर हमले के मामले में 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

» जीआरपी एसपी ने एक बदमाश का जारी किया स्केच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। मोहम्मदाबाद के सपा विधायक के गनर राकेश चौधरी पर श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन की बोगी में क्रूरता पूर्वक चाकुओं से हमले और बंदूक व मोबाइल लूट की घटना ने पुलिस तंत्र को हिलाकर रख दिया है। सिपाही के शरीर पर चार गहरे जख्म हैं। ट्रामा सेंटर लखनऊ में उसका इलाज जारी है, स्थिति नाजुक होने के कारण अबतक तक उनका बयान दर्ज नहीं हो सका है।

वहीं जीआरपी के अधिकारी ट्रेन में कहासुनी को लेकर घटना घटित होने की बात कह रहे। लेकिन जिस प्रकार वारदात हुई है वो इस बात की ओर इशारा कर रही कि घटना प्लांट वे में अंजाम दी गई। सूत्रों के अनुसार बदमाशों ने पूरी रेकी की, सिपाही राकेश वाराणसी से ट्रेन में चढ़ा और आरोपी भी वहीं से चढ़े। सवाल ये भी अहम है कि यदि आम घटना थी तो बदमाशों के पास ट्रेन पर चाकू आया तो कहा से आया? दरअसल, जब राजगीर से नई दिल्ली जाने वाली श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन सुल्तानपुर जंक्शन पर पहुंचने वाली थी तो स्टेशन और लोहरामऊ क्रॉसिंग के बीच कही सिपाही पर बोगी के अंदर हमला हुआ।

बेखौफ बदमाश सिपाही की कार्बाइन व मोबाइल छीन कर चेन पोलिंग कर फरार हो गए। इस बीच ट्रेन जैसी ही स्टेशन पर पहुंची जीआरपी ने तत्काल सिपाही को अस्पताल पहुंचाया। जहां से उन्हें लखनऊ रेफर किया गया। अब पुलिस के पास सिपाही का मोबाइल ही वो एविडेंस है जिससे पुलिस बदमाशों तक पहुंच सकती है। उधर घटना के बाद से सिविल पुलिस और जीआरपी ने रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी खंगालें, मगर वह बंद मिले। जीआरपी एसपी ने एक बदमाश का स्केच जारी किया है।

गुजरात व हिमाचल चुनाव पर खड़गे का फोकस

» उम्मीदवारों के नाम पर कर रहे गहन मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस का अध्यक्ष पद संभालते ही वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सक्रिय हो गए हैं। खड़गे ने कांग्रेस चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी मौजूद रहीं। खड़गे का हिमाचल व गुजरात चुनाव को लेकर विशेष फोकस हैं, इसको लेकर उन्होंने आज भी संगठन के कई लोगों से बातचीत की है।

बता दें कि गुजरात चुनाव को लेकर कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की तीन बैठकें हो चुकी हैं। इससे पहले, खड़गे ने 47 सदस्यीय सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया। इस समिति में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी शामिल हैं।

हालांकि शशि थरूर को इसमें जगह नहीं मिली है। खड़गे ने बुधवार को कांग्रेस का अध्यक्ष पद संभाला। उन्होंने कहा कि ये मेरे लिए भावनात्मक पल है। एक मजदूर के बेटे, एक साधारण कार्यकर्ता को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने के लिए मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धन्यवाद कहता हूं। कांग्रेस की विरासत को आगे ले जाना गर्व की बात है। उधर, गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का जल्द ही एलान हो सकता है। एक-दो दिन में चुनाव आयोग इसको लेकर प्रेस कांफ्रेंस कर सकता है। इस बार चुनाव दो चरणों में कराए जा सकते हैं। पिछली बार 2017 में 25 अक्टूबर को चुनाव की तारीख का एलान हुआ था।

हिमाचल में डेढ़ दर्जन सीटों पर बागी बिगाड़ रहे खेल

हिमाचल चुनाव में करीब 18 सीटों पर बीजेपी को अपने ही नेताओं की बगावत झेलनी पड़ रही है जबकि कांग्रेस को करीब 10 पर अपनों से चुनौती मिल रही। बीजेपी को बगावत का सामना इसीलिए करना पड़ रहा है। क्योंकि कुछ सीटों पर मौजूदा विधायकों के टिकट कटने के कारण परेशानी खड़ी हुई है तो कुछ पर टिकट के चाहने वालों के निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर ताल ठोक देने से। कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही पार्टियां अपने-अपने बागी नेताओं को मनाने में जुटी हैं ताकि चुनावी नुकसान न उठाना पड़े।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।